Regarding addiction to online games specially Junglee Rummy

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे **(**कल्याण**) :** सभापति महोदया, आज मैं आपके समक्ष एक गंभीर समस्या भारत में ऑनलाइन गेमिंग की लत, विशेषकर जंगली रमी जैसे खेलों के संदर्भ में रखना चाहूँ गा । इस डेंजरस ट्रेन्ड का एनॉलिसिस करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये खेल न केवल युवा पीढ़ी को प्रभावित करता है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों में भी गहरी छाप छोड़ रहा है ।

14.00 hrs (Shri Jagdambika Pal *in the Chair*)

भारत में ऑनलाइन गेमिंग का बाजार वर्ष 2025 में 30 बिलियन डॉलर्स तक पहुंच जाएगा । इसमें एक बड़ा हिस्सा जंगली रमी का भी है, जिसमें पैसे दांव पर लगाए जाते हैं और इसकी लत ने कई लोगों को जिंदगियों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है । जंगली रमी खेल की लत की समस्या इतनी गंभीर हो गई है कि नेशनल काउंसिल के अनुसार वर्ष 2023 में ऑनलाइन गेमिंग के कारण 30 प्रतिशत युवा मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं का सामना कर रहे हैं ।

Nearly 3.5 per cent of the Indian adolescents suffer from gaming disorder. इसमें 40 प्रतिशत लोग अत्यधिक पैसे की लत का शिकार हो चुके हैं । कई केसेज़ में तो ये गेम्स व्यक्तिगत और पारिवारिक वित्तीय संकटों का कारण बन गए हैं । उधार के कारण लोग आत्महत्या करते हैं ।

माननीय सभापति **:** आप संक्षिप्त में अपनी बात रखिए ।

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे **:** महोदय, जंगली रमी की विशेषता है कि यह एक बहुत ही आकर्षक और जल्दी जीत की उम्मीद देता है, लेकिन जब खिलाड़ी हार जाता है, तो अधिक खेलने की कोशिश करता है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति और बिगड़ती है ।

हमें इस मुद्दे के प्रति जागरुकता फैलाने की बहुत आवश्यकता है । यह आवश्यक है कि हम स्कूलों, कॉलेजों और समाज के अन्य हिस्सों में गेमिंग की लत से जुड़े खतरों के बारे में जानकारी फैलाएं । इसके साथ ही साथ कड़े नियम और उचित कदम उठाने की जरूरत है, ताकि ऑनलाइन गेमिंग के क्षेत्र में अनुशासन और नियंत्रण स्थापित किया जा सके । हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जो हमारी युवा पीढ़ी है, वह सुरक्षित रहे और वह इस लत से बच सके ।

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्यगण, लिस्ट में 54 मेंबर्स का नाम है । मैं चाहता हूँ कि सभी 54 मेंबर्स बोल सकें । इसलिए आप लोग संक्षिप्त में अपना विषय रखें, ताकि वह भी कार्यवाही का हिस्सा बन सकें । सभी मेंबर्स 30 सेकेंड्स में अपनी बात रखें ।

श्री खगेन मुर्मु ? उपस्थित नहीं ।

श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल जी ।